

know that there is a limit to the number of persons that we can send. With respect to cultural delegations, sometimes, they want 50 persons; sometimes they want 25; in a third case, they want 10, and in a fourth case, they want 2. Shall we go on sending more persons saying 'Notwithstanding the fact that you have invited only two, I shall send ten'? These are all the difficulties. Are we to go on adding to the list? The Minister has said that it largely depends upon the number. When only two had to be sent, we had to make a choice, and we have left it to the Sahitya Akadami. Are we to go into the question why only two were sent and are we to enter into a discussion as to why they fixed the number at only two, in spite of our efforts? It is not right for us to pursue this matter.

पीतल का: दुप्रभियां

*५७६ { श्री भक्त दर्शन :
श्री विभूति सिन्धु :

क्या वित्त मंत्री १६ मई, १९५७ के तारंकित प्रश्न संख्या ८६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस धोर धाकूट किया गया है कि अभी भी पीतल की दुप्रभियां स्वीकार न किये जाने के कारण ग्राम जनता को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ;

(ख) क्या सरकार जानती है कि कई स्थानों पर खजाने भी उन्हें स्वीकार करने से इंकार कर रहे हैं ;

(ग) क्या सरकार का ध्यान इस तथ्य की धोर भी दिलाया गया है कि पीली दुप्रभियों के नकली सिक्के बहुत बड़े परिमाण में प्रचलित हो गये हैं ; धोर

(घ) यदि हां, तो इन कठिनाइयों को दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त उपमंत्री (श्री व० रा० जनत) :

(क) सरकार को मालूम है कि देश के कुछ भागों में अब भी कुछ लोग पीतल की दुप्रभियां नहीं लेते ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) सरकार को मालूम है कि नकली दुप्रभियां भी चल रही हैं ।

(घ) सन् १९५६ से निकल-पीतल की दुप्रभियां धीरे धीरे चलने से वापस ली जा रही हैं । वापसी के इस काम में शीघ्रता लाने के सम्बन्ध में तत्परता से विचार किया जा रहा है । इस बीच जनता की जानकारी के लिये यह अधिसूचित कर दिया गया है कि निकल-पीतल की दुप्रभियां अब भी चलनसार हैं धोर उनके बदले सरकारी खजानों से धोर भारत के रिजर्व बैंक के दफ्तरों धोर अभिकरणों (एजेन्सियों) से दूसरे सिक्के या नोट लिये जा सकते हैं ;

Some Hon. Members: We want the answer in English also.

Shri B. R. Bhagat: (a) Government are aware that brass two-anna coins are still not accepted by some people in some parts of the country.

(b) No, Sir.

(c) Government are aware that there are base two-anna coins in circulation.

(d) A gradual process of withdrawal of nickel brass two-anna coins from circulation has been in operation since 1949. The speeding up of this withdrawal is being actively considered. Meanwhile it has been notified for the information of the public that the two-anna nickel brass coins, which are still legal tender, can be exchanged for other coins or notes at Government Treasuries and offices and agencies of the Reserve Bank of India.

श्री भक्त दर्शन : माननीय मंत्री जी के उत्तर से स्पष्ट है कि नकली दुप्रभियां काफी बड़ी मात्रा में बाजार में चल रही हैं । मैं जानना चाहता हूँ कि उनकी रोक-बाम

के लिए कौन सी कार्यवाही की गई है और कितनी ऐसी टफ़सालों का पता लगाया गया है ?

श्री ब० रा० भवन : बूक यह एक ला एंड आर्डर का सवाल था, इसलिए इस सम्बन्ध में स्टेट गवर्नमेंट्स से लिखा-पढ़ी हुई और उन की कार्यवाही से बहुत जगहों में काफी लोगों को पकड़ा गया है और जो उचित कार्यवाही होती है, वह की गई है।

श्री भवन बर्बन : क्या सरकार के ध्यान में ये बात आई है कि जिस तरह चिराग तले झरोका होता है, उसी तरह केन्द्रीय सरकार के बिल्कुल नीचे स्वयं दिल्ली में पीली दुपन्नियों को स्वीकार नहीं किया जा रहा है, जिस के परिणामस्वरूप जनता को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ?

श्री ब० रा० भवन . दिल्ली सरकार में एक विज्ञप्ति निकाली है, जिस में बताया गया है कि पीली दुपन्निया चलनसार हैं और जिनकी दुपन्निया नहीं ली जाती हैं, में उन्हें स्टेट बैंक या रिजर्व बैंक के प्राक्सिज और एजेन्सीज में बदलवा सकते हैं।

श्री विज्ञप्ति मित्र : क्या मंत्री जी ने कमी रेलवे, डाकखाने और सरकार के दूसरे दफतारों में जा कर देखा है कि पीली दुपन्नियां स्वीकार की जा रही हैं ?

श्री ब० रा० भवन : ये सारी सूचनायें मालूम की गई हैं।

श्री र.म सुभष सिंह : भाग (ख) के उत्तर में बताया गया है—हीं। मैं जानना चाहता हूँ कि इस सम्बन्ध में किस ट्रेडर का अनुभव है, जिसके आधारे पर यह जबाब दिया गया है। क्या साधारण आदमी को ट्रेडर में जा कर पीली दुपन्नियां बदलवाने का अधिकार है ?

श्री ब० रा० भवन : आम तौर से एक दुपन्नी के लिये इतनी कठिनाई नहीं होती, लेकिन अगर कठिनाई हो, तो उस

को रिजर्व बैंक की एजेन्सी से या स्टेट बैंक में बदलवाया जा सकता है।

Mr. Speaker: The Minister may issue a statement and try to relieve the difficulties by explaining the position to the general public.

Shri Radhelal Vyas: It is not accepted even in the Notice Office and in the Post Offices.

Shri M. L. Dwivedi: May I put one small question? This is a very important matter.

Mr. Speaker: Two-anna pieces are not very important.

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): We have already issued a press note sometime back, and I am perfectly prepared again to issue a press note on the lines indicated by the Chair.

Mr. Speaker: And, give due instructions also

Shri Sadhan Gupta: Even in the Delhi State Transport buses they are not accepted.

Mr. Speaker: Instructions may be issued saying that these must be accepted

Raja Mahendra Pratap: Some people are selling two-anna pieces for one anna. It is a good business.

Mr. Speaker: I have not been able to provide any particular rule, so far as the hon. Member is concerned.

पञ्जाब में हिन्दी अधोलन

*५८० श्री विभूत मिश्र क्या मूह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि पञ्जाब में हिन्दी भाषा के सम्बन्ध में अभी जो सत्याग्रह चल रहा है उसके बारे में कुछ शिफ्टमण्डलों में उनसे तथा शिक्षा मंत्री सेम्बेट की है, और

(ख) यदि हा, तो सरकार ने इन सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?